Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Navsmaranadisangraha

Folder No. 003287
Granth Name Navsmaranadisangraha
Author Vicharshreeji, Damayantishreeji
Publisher Nagindas Kevalshi Shah Ahmedabad
Edition 1
Year 1964
Pages 258

नवस्मरणादिसंग्रह

फोल्डर नं. ००३२८७
ग्रन्थ नवस्मरणादिसंग्रह
लेखक विचारश्रीजी, दमयन्तिश्रीजी
प्रकाशक नगीनदास केवलशी शाह अहमदाबाद
आवृत्ति १
प्रकाशन वर्ष १९६४
पृष्ठ २५८

मुख्य टाइटल

निवेदन ---------- ५
श्री वसन्तश्रीजी महाराज का संक्षिप्त परिचय ---------- ७
ग्रन्थानुक्रमणिका ---------- ११
नमस्कारमहामन्त्रस्मरण् ---------- १
उवसग्गहरस्मरणम् ---------- १
संतिकरस्मरणम् ---------- २
तिजयपहुत्तस्मरणम् ---------- ४
नमिऊणस्मरणम् ---------- ५
अजितशान्तिस्मरणम् ---------- ८
भक्तामरणस्मरणम् ---------- १४
कल्याणमन्दिरस्मरणण् ---------- २२
बृहच्छान्तिस्मरणम् ---------- ३०
जयतिहुअणस्तोत्रम् ---------- ३४
श्रीपार्श्वनाथमन्त्राधिराजस्तोत्रम् ---------- ४०
ग्रहशान्तिस्तोत्रम् ---------- ४३
वज्रपञ्जरस्तोत्रम् ---------- ४५
जिनपञ्जरस्तोत्रम् ---------- ४६
श्रीगौतमस्वाम्यष्टकम् ---------- ४९
शत्रुञ्जयतीर्थस्तोत्रम् ---------- ५०
पञ्चषष्टियन्त्रगर्भितचतुर्विंशतिजिनस्तोत्रम् ---------- ५२

बृहद् ऋषिमण्डलस्तोत्रम् ---------- ५५
रत्नाकरपञ्चविंशिका ---------- ६५
श्रीशत्रुञ्जयलघुकल्पः ---------- ६९
समवसरणस्तवः ---------- ७२
अन्नायउंछकुलकम् ---------- ७४
अल्पबहुत्वगर्भितश्रीमहावीरस्तवनम् ---------- ७७
लब्धल्पबहुत्वम् ---------- ७८
परमाणुखण्डषट्त्रिंशइका ---------- ७९
पुद्गलषट्त्रिंशिका ---------- ८०
निगोदषट्त्रिंशइका ---------- ८४
बन्ध,ट्त्रिंशिका ---------- ८७
पुद्गलपरावर्तस्तोत्रम् ---------- ९०
श्रावकव्रतभङ्गप्रकरणम् ---------- ९२
गाङ्गेयभङ्गप्रकरणम् ---------- ९६
सिद्धपञ्चाशिका ---------- ९८
सिद्धदण्डिकास्तवः ---------- १०४
भावप्रकरणम् ---------- १०६
योनिस्तवः ---------- १०९
विचारसप्ततिका ---------- ११०
विचारपञ्चाशिका ---------- ११८
कालसप्ततिका ---------- १२३
क्षुल्लकभाववलिप्रकरणम् ---------- १३०
देहस्थितिस्तवः ---------- १३२
कायस्थितिस्तोत्रम् ---------- १३४
लोकनालिद्वात्रिंशिका ---------- १३६
श्रीगौतमगणधरस्तोत्रम् ---------- १४०
नन्दीसूत्रमङ्गलगाथा ---------- १४१
पञ्चपरमेष्ठइनमस्कारः ---------- १४५
प्रवचनमङ्गलसारः ---------- १५२
चतुःशरणप्रकीर्णकम् ---------- १५४
आतुरप्रत्याख्यानप्रकीर्णकम् ---------- १६०
प्रभुस्तुति ---------- १६८
गौडीपार्श्वजिनवृद्धस्तवनम् ---------- १६९
सीताजीनी सज्झाय ---------- १७५
प्रभातमां भाववानी भावना ---------- १८०
सीमंधरजिनआलोयणस्तवन ---------- १८४
खामणांसज्झाय ---------- १८५
चार शरणां ---------- १८७
पद्मावती आरादना ---------- १८८
पुण्यप्रकाशनुं स्तवन ---------- १९१
गौतमस्वामिनो रास ---------- २०२
मंगलपचीशी ---------- २१०
पच्चक्खाणनो कोठो ---------- २१३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org